सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 216 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 15 सितम्बर, 2022
मूल्य ₹ 3/-

कमर तोड़ महंगाई

माता-पिता का सम्मान किया जाना चाहिए और बड़ों का भी, जीवित प्राणियों के प्रति दयालुता को मजबूत किया जाना चाहिए और सत्य बोला जाना चाहिए।
-सम्राट अशोक

पर चुप क्यों मोदी... 8 | लोक सभा चुनाव से पहले सियासी... 3 | बेगूसराय गोलीकांड पर बोले नीतीश... 7

फिर गरमाया लखीमपुर

दो दलित नाबालिग बहनों के रेप और हत्या मामले ने पकड़ा तूल विपक्ष सरकार पर हमलावर

» दुष्कर्म के बाद गला दबाकर की गई थी हत्या पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा

» पेड़ से लटके मिले थे दोनों के शव, छह आरोपियों को किया गया गिरफ्तार

» विपक्ष ने पुलिस की थ्योरी पर भी उठाए सवाल, कहा, प्रदेश में अपराधी बेखौफ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखीमपुर। लखीमपुर एक बार फिर गरमा गया है। यहां के थाना निघासन में दो दलित नाबालिग बहनों के रेप और हत्या मामले ने तूल पकड़ लिया है। घटना से क्षेत्र में तनाव व्याप्त है। वहीं विपक्ष ने एक बार फिर प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए योगी सरकार पर हमला किया है। विपक्ष ने कहा कि प्रदेश में अपराधी बेखौफ हो गए हैं और कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं बची है। विपक्ष ने घटना को लेकर पुलिस की थ्योरी पर भी सवाल उठाए हैं और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

निघासन थाना इलाके के तमोलीन पुरवा गांव में दो दलित नाबालिग बहनों के शव कल एक पेड़ पर लटके मिले थे। इससे ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। इस मामले में पुलिस ने पीड़ित परिवार की तहरीर पर घर में घुसकर मारपीट, बलात्कार, हत्या और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में रेप के बाद गला दबाकर हत्या की पुष्टि हुई है। पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन ने बताया कि दुष्कर्म के बाद दोनों बहनों की हत्या की गई थी। वारदात में छोटू, सुहेल, जुनैद, हफीजुल्लाह, करीमुद्दीन, आरिफ शामिल रहे। एक अभियुक्त जुनैद को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। दरअसल, बुधवार को दोपहर में दो सगी दलित बहनों का बाइक सवार युवकों ने अपहरण कर लिया था। उनकी रेप के बाद हत्या कर शव को पेड़ से लटका दिया था। इस पर विपक्ष ने योगी सरकार पर जमकर निशाना साधा है।

घसीटकर ले गए बेटियों को: मृतका की मां

मृतका की मां ने बताया कि बड़ी बेटी 17 और छोटी 15 साल की थी। दोनों घर के बाहर बैठी थीं, इस बीच जब वह घर के अंदर गई तभी बाइक सवार तीन युवक पहुंचे। पीली शर्ट और सफेद शर्ट पहने दो लड़के बेटियों को घसीटने लगे जबकि नीली शर्ट वाले युवक ने गाड़ी स्टार्ट की और उन्हें लेकर भाग गए। महिला ने कहा कि इस दौरान मेरे कपड़े भी फट गए।

पुलिस की थ्योरी

एसपी लखीमपुर के मुताबिक, शुरुआती जांच में पता चला है कि लड़कियों के पड़ोस में एक आरोपी छोटू रहता है। उसने लड़कियों की पहचान आरोपी सोहेल और जुनैद से कराई थी। सोहेल और जुनैद एक अन्य आरोपी के साथ लड़कियों को बहला-फुसला कर बाइक से खेत पर ले गए। लड़कियों का अपहरण नहीं हुआ था। वे अपनी मर्जी से गई थीं। खेत पर सोहेल और जुनैद ने अलग-अलग लड़कियों के साथ रेप किया। इसके बाद जब लड़कियों ने शादी की बात की तो इन लोगों ने शादी से इनकार कर दिया। सोहेल, जुनैद और हफीजुल्लाह ने दोनों की गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद आरोपियों ने दो और सहयोगियों करीमुद्दीन और आरिफ को बुलाया और लड़कियों के शवों को पेड़ से लटका दिया। दो आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है।

आरोपियों को ऐसी सजा मिलेगी कि रूह कांप उठेगी: बृजेश पाठक

डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने घटना को दुर्भाग्यपूर्ण और दुःखद बताते हुए कहा कि वारदात का खुलासा हो गया है। छह आरोपियों की पहचान छोटू, जुनैद, सोहेल, हफीजुल्लाह, करीमुद्दीन और आरिफ के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में पाया गया कि दोनों लड़कियों को पास के एक खेत में बहला-फुसलाकर ले जाने वाले सोहेल और जुनैद ने रेप किया। आरोपियों को गिरफ्तार कर सभी के विरुद्ध पॉक्सो एक्ट में केस दर्ज कर कार्यवाही की जा रही है। प्रदेश सरकार पीड़ित परिजनों के साथ खड़ी है। सरकार ऐसा कदम उठाएगी कि उनकी आने वाली पीढ़ियों की आत्मा भी कांप उठेगी। न्याय दिया जाएगा। फास्ट-ट्रैक कोर्ट के माध्यम से कार्यवाही होगी।

“निघासन पुलिस थाना क्षेत्र में दो दलित बहनों को अगवा कर उनकी हत्या किए जाने के बाद पुलिस पर पिता का यह आरोप बेहद गंभीर है कि बिना पंचनामा और सहमति के उनके शवों का पोस्टमार्टम किया गया। लखीमपुर में किसानों के बाद अब दलित बहनों की हत्या हाथरस की बेटी हत्याकांड की पुनरावृत्ति है।

अखिलेश यादव, सपा प्रमुख

“यह घटना यूपी में कानून-व्यवस्था व महिला सुरक्षा के मामले में सरकार के दावों की जबर्दस्त पोल खोलती है। हाथरस सहित ऐसे जघन्य अपराधों के मामलों में ज्यादातर लीपापोती होने से ही अपराधी बेखौफ हैं। यूपी सरकार अपनी नीति, कार्यप्रणाली व प्राथमिकताओं में आवश्यक सुधार करे।

मायावती, बसपा प्रमुख

“लखीमपुर में दो बहनों की हत्या की घटना दिल दहलाने वाली है। रोज अखबारों व टीवी में झूठे विज्ञापन देने से कानून-व्यवस्था अच्छी नहीं हो जाती। आखिर उत्तर प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ जघन्य अपराध क्यों बढ़ते जा रहे हैं।

प्रियंका गांधी, कांग्रेस महासचिव

“लखीमपुर खीरी के निघासन थाना क्षेत्र में दो दलित बेटियों का अपहरण व दुष्कर्म के बाद हत्याकर उनके शव को पेड़ से लटकाने की नृशंस घटना दुर्भाग्यपूर्ण व हृदय विदारक है। ऐसी घटनाएं प्रदेश की कानून व्यवस्था पर गहरे सवाल खड़ा करती हैं। दोषियों के खिलाफ त्वरित,पारदर्शी व कड़ी कार्रवाई करे सरकार।

शिवपाल यादव, प्रसपा प्रमुख

“लखीमपुर खीरी ने फिर रुला दिया। ऐसे जघन्य अपराध झकझोर देते हैं, समाज को शर्मसार करते हैं।

जयंत चौधरी, रालोद प्रमुख

“लखीमपुर कांड में यूपी पुलिस की भूमिका संदिग्ध है। जब एफआईआर लिखने में हीलाहवाली हो, पीड़ित पक्ष और पत्रकार के साथ पुलिस दुर्व्यवहार करे और मृतका की मां द्वारा लिखाए गए एफआईआर और एसपी की कही बातों में विरोधाभास हो तो ये बातें यूपी पुलिस को कठघरे में खड़ा करती हैं। अतः अधिकार सेना की मांग है कि इसकी जांच न्यायिक आयोग द्वारा करायी जाए और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो।

अमिताभ ठाकुर, राष्ट्रीय संयोजक, अधिकार सेना

सदन की कार्यवाही आनलाइन देख सकेंगे विधायक व मंत्री

» विधायकों के हाथ में कागजों का पुलिंदा नहीं, अब होगा टैबलेट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधानसभा के सदस्य यदि व्यस्तता के कारण अपने क्षेत्र में भी रहेंगे तो वे सदन की कार्यवाही का एजेंडा आनलाइन देख सकेंगे। वे अपनी ओर से या अन्य सदस्यों द्वारा सदन में पूछे जाने वाले प्रश्नों को भी आनलाइन देख सकेंगे। विधान सभा की कार्य संचालन नियमावली एक क्लिक पर उनके सामने होगी तो संसदीय प्रक्रिया की जानकारी भी। 18वीं विधान सभा का पहला सत्र यदि नेशनल ई-विधान एप्लीकेशन (नेवा) के तहत सदन की कार्यवाही को पेपरलेस बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित हुआ था तो 19 सितंबर से शुरू होने वाला दूसरा सत्र इस प्रक्रिया को विधान सभा मंडप के बाहर ले जाने के लिए यादगार बनेगा।

नेशनल ई-विधान एप्लीकेशन के तहत विधान सभा मंडप में हर विधायक की सीट पर टैबलेट लगाने के बाद अब इसकी अगली कड़ी के तौर पर विधानमंडल के मानसून सत्र के दौरान विधान सभा के प्रत्येक सदस्य को टैबलेट बांटने की तैयारी है। विधान सभा सचिवालय ने विधायकों को दिये जाने वाले टैबलेट खरीद लिए हैं।

सैमसंग कंपनी के एंड्रायड आधारित यह टैबलेट आकार में 11 इंच के हैं। विधायकों को दिए जाने वाले टैबलेट में विधान सभा की कार्य संचालन नियमावली, संविधान व संसदीय प्रक्रिया, प्रश्न पूछने के तरीके, विधान सभा अध्यक्ष की ओर से दिये गए प्रक्रिया संबंधी निदेश, सदन की पुरानी कार्यवाही और नेवा एप प्री-लोडेड होगा। विधायकों को टैबलेट दिया जाना नेशनल ई-विधान एप्लीकेशन का हिस्सा है। अभी विधायक हाथ में कागजों का पुलिंदा लेकर आते हैं। टैबलेट के जरिये विधायक विधान सभा से संबंधित जानकारियां आनलाइन हासिल कर सकेंगे। उन्हें इसके लिए कागज देखने की जरूरत नहीं होगी। इसके माध्यम से क्षेत्र की जनता से भी आनलाइन संपर्क-संवाद कर सकेंगे। जनप्रतिनिधि होने के नाते विधायक कई समितियों के सदस्य भी होते हैं। टैबलेट मिलने पर वे यात्रा के दौरान ऐसी बैठकों में वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से भी शामिल हो सकते हैं। भविष्य में विधायक निधि और उससे विभिन्न मदों में हुए खर्च आदि की जानकारी भी उन्हें टैबलेट पर सुलभ कराई जाएगी।

फर्क नहीं पड़ता, फिर से बनेगी एनडीए की सरकार : अनुप्रिया

» राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा पर केंद्रीय मंत्री ने किया तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल ने कांग्रेस के पूर्वाध्यक्ष राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की रैली से कोई फर्क नहीं पड़ता और सपा पहले से ही खराब स्थिति में पहुंच चुकी है। अनुप्रिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आगामी लोकसभा चुनाव में एनडीए फिर से पहले की तरह सरकार बनाएगा। अनुप्रिया यहां एक सदस्यता अभियान समारोह में शामिल होने के बाद मीडिया से रूबरू हो रही थीं। अनुप्रिया पटेल ने कहा कि दो सितंबर से पार्टी ने सदस्यता अभियान शुरू किया है।

इसी के तहत आज हमने यहां सदस्यता अभियान शुरू किया है। पार्टी का विस्तार करना है और आकार बढ़ाना है। प्रदेश में एक करोड़ सदस्य बनाए जाने हैं। चित्रकूट धाम मंडल का दावा है कि इस लक्ष्य व अभियान में उनकी विशेष भूमिका रहेगी। एक सवाल के जवाब में कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जिस तरीके से एनडीए की सरकार में गांव, गरीब, महिला, नौजवान, किसान सभी के हितों का ख्याल रखते हुए तमाम केंद्रीय योजनाओं के माध्यम से आम जनमानस की मूलभूत सुविधाओं का निराकरण किया है। उससे जनता का विश्वास बढ़ा है। देश के अंदर तेजी से विकास कराए गए हैं।

मदरसों की बेहतरी के लिए सर्वे करा रही सरकार : भूपेंद्र

» अल्पसंख्यक मोर्चा के तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मदरसों के सर्वे के विरुद्ध विभिन्न विपक्षी दलों द्वारा उठाई जा रही आवाज के बीच भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा है कि सरकार मदरसों की बेहतरी और आधुनिकीकरण के लिए सर्वे करा रही है। पार्टी के अल्पसंख्यक मोर्चा के तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ करते हुए उन्होंने दावा किया कि किसी भी ईमानदार और शरीफ व्यक्ति के यहां छापा नहीं पड़ा।

देश के संसाधन और गरीबों का हक लूटने वालों के खिलाफ ही सरकार कार्रवाई कर रही है। राजधानी के विश्वश्वरैया प्रेक्षागृह में बुधवार को आयोजित कार्यक्रम में भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि भाजपा वैचारिक आधार पर चलने वाला राजनीतिक संगठन है। हम भारतीय संस्कृति, आस्था, परंपराओं और विरासत को लेकर लंबे समय से राजनीतिक क्षेत्र में काम कर रहे हैं। देश में हमारे अलावा जितनी भी राजनीतिक विचारधाराएं हैं, उनमें अधिकांश विचारधाराएं विदेशी हैं। मुख्यमंत्री के नेतृत्व की प्रदेश सरकार देश के संसाधनों को लूटने वालों, माफिया, गुंडागर्दी करने वालों, मां-बहन-बेटियों को अपमानित करने वालों और गरीबों का हक लूटने वालों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है।

बैंकिंग क्षेत्र की प्रगति में कीर्तिमान बना रही योगी सरकार

» गरीबों के खातों में जमा हैं 33 हजार करोड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। डबल इंजन की सरकार की ताकत से उत्तर प्रदेश ने बैंकिंग क्षेत्र में तेज कदम बढ़ाते हुए आर्थिक प्रतिस्पर्धा में दूसरे राज्यों को पछाड़ा है। बीते पांच बरस में इस दिशा में हुए परिवर्तन की सबसे सकारात्मक तस्वीर यह है कि आधी आबादी ने आर्थिक सशक्तीकरण में अपनी मजबूत भूमिका दर्ज की है। मोदी-योगी सरकार की वित्तीय नीतियों के फलीभूत होने का यह यह उदाहरण है। इस अवधि में प्रदेश में हर दिन 19 हजार से अधिक गरीबों ने बैंक खाते खुलवाए गए।

जन धन योजना के कुल 7.93 करोड़ खातों में 54.35 प्रतिशत खाते महिलाओं के हैं, जिनमें अभी 33,774 करोड़ रुपये जमा हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई योजनाओं को धरातल पर उतारते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार विभिन्न क्षेत्रों में कीर्तिमान स्थापित कर रही है। ऐसी ही उपलब्धियों में विशेष रूप से वित्तीय प्रबंधक और बैंकिंग क्षेत्र की प्रगति भी शामिल है। अंत्योदय के सिद्धांत पर चलते हुए मोदी सरकार ने गरीबों के जन धन योजना शुरू की, जिसमें मजबूत भूमिका निभाते हुए बीते पांच वर्ष में उत्तर प्रदेश में साढ़े तीन करोड़ नए खाते खोले गए हैं। देश में सर्वाधिक सात करोड़ 93 लाख खाते अब यहीं हैं। सरकारी आंकड़ा है कि उत्तर प्रदेश में प्रतिदिन 19 हजार से अधिक जन धन खाते खोले गए हैं। इसका संदेश यह है कि सबसे निचले पायदान पर खड़े लोग भी बैंकिंग व्यवस्था से बड़े पैमाने पर जुड़े हैं। इसमें भी उल्लेखनीय तथ्य यह है कि कुल 7.93 करोड़ खातों में से 4.31 करोड़ यानी 54.35 प्रतिशत खाते महिलाओं के हैं और पांच करोड़ 36 लाख से अधिक खातों में रुपे कार्ड भी जारी किए जा चुके हैं। इन सभी जन धन खातों में इस वर्ष मार्च तक कुल 33,774 करोड़ रुपये जमा थे।

डिजिटल लेनदेन में बड़ी छलांग

मोदी-योगी सरकार ने डायरेक्टर बेनेफिट ट्रांसफर (डीबीटी) को अधिकतर लाभार्थीपरक योजनाओं में लागू किया। इसमें भी प्रदेश ने बड़ी छलांग लगाई है। डिजिटल लेनदेन पांच वर्ष में 122 करोड़ रुपये से तीन गुणा अधिक बढ़कर 426 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। जन धन और व्यक्तिगत खातों में डीबीटी से 10 करोड़ से अधिक लोगों को शासन की योजनाओं का लाभ मिल रहा है। इसमें करीब एक करोड़ 20 लाख विभिन्न पेंशन लाभार्थी, एक करोड़ 90 लाख बच्चों के अभिभावक, दो करोड़ 10 लाख छात्रवृत्ति, 43 लाख प्रधानमंत्री आवास योजना, करीब ढाई करोड़ किसान और दो करोड़ 61 लाख शौचालयों के लाभार्थी शामिल हैं।

पूर्व विधायक रामविशुन आजाद को तीन माह का कारावास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोंडा। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट विशेष न्यायालय एमपी/एमएलए सुषमा ने मनकापुर के पूर्व सपा विधायक रामविशुन आजाद को लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत दोषी करार देते हुए तीन माह के कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही एक हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। विधानसभा चुनाव 2017 को संपन्न कराने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी ने अमित कुमार पांडेय को उड़नदस्ता प्रभारी नियुक्त किया था। उड़नदस्ता प्रभारी की रिपोर्ट के मुताबिक चेकिंग के दौरान 18 फरवरी को मोतीगंज-कहोबा मार्ग पर पीसीएफ गोदाम के पास वाहन संख्या यूपी 43 टी 7177 बोलेरो रोकी गई।

वाहन पर प्रचार का झंडा लगा हुआ था। वाहन में चेकिंग के दौरान 1610 हैंडबिल बरामद हुआ। जिसपर समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी राम विशुन आजाद विधानसभा क्षेत्र-300 मनकापुर गोंडा अंकित था। उक्त प्रचार सामग्री में मुद्रक की सूचना दर्ज नहीं थी। उड़नदस्ता प्रभारी ने संबंधित के खिलाफ लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत एफआइआर कराई थी। मोतीगंज पुलिस ने विवेचना के बाद पूर्व विधायक व तत्कालीन सपा प्रत्याशी राम विशुन आजाद के खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया। बुधवार को अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट विशेष न्यायालय एमपी/एमएलए ने पूर्व विधायक को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई। बाद में उन्हें जमानत दे दी गई। राम विशुन आजाद मनकापुर सुरक्षित सीट से 1985 व 1989 में कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीते।

लोक सभा चुनाव से पहले सियासी जमीन मजबूत करने में जुटी बसपा प्रमुख

- उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में पार्टी संगठन पर फोकस
- तीन राज्यों में आकाश संभालेंगे जिम्मेदारी बढ़ाया कद
- क्षेत्रीय और जातीय समीकरण साधने की बनायी रणनीति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोक सभा चुनाव से पहले बसपा प्रमुख मायावती यूपी समेत कई राज्यों में अपनी सियासी जमीन मजबूत करने में जुट गयी है। बसपा प्रमुख ने यूपी में जहां पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को सक्रिय कर दिया है वहीं अपने भतीजे आकाश आनंद को गुजरात, राजस्थान और मध्य प्रदेश का जिम्मा सौंप दिया है। यहां आकाश न केवल पार्टी संगठन को मजबूत करेंगे बल्कि विधान सभा चुनाव की जिम्मेदारी भी संभालेंगे। इन राज्यों में भी बसपा लोक सभा चुनाव की सियासी जमीन तैयार करने में जुटी है।

मायावती ने तीन राज्यों गुजरात, राजस्थान और मध्य प्रदेश में होने जा रहे विधान सभा चुनाव का जिम्मा सौंपकर एक तरह से अपने भतीजे आकाश की पालिटिकल लांचिंग कर दी है। इन राज्यों में जमीन पर संगठन को मजबूत करने के लिए उन्होंने काम शुरू भी कर दिया है। आकाश आनंद बसपा में नंबर दो की हैसियत में हैं क्योंकि उन्हें मायावती ने पार्टी का नेशनल को-आर्डिनेटर 2019 के लोक सभा चुनाव के दौरान ही बना दिया था लेकिन वे पार्टी के नए चेहरे के रूप में सक्रिय नहीं रहे। 2019 में चुनाव प्रबंधन संभालने वाले आकाश ने 2022 के चुनाव में बसपा की खास तौर पर इंटरनेट मीडिया से जुड़ी चुनावी रणनीति अपने हाथ में रखा। कुछ रैलियों में बुआ मायावती के साथ मंच साझा भी किया लेकिन उनकी भूमिका पर्दे के पीछे से ही रही मगर, अब बसपा प्रमुख ने उनका पदार्पण सक्रिय राजनीति में कराने का मन बना लिया है। हाल ही में मध्य प्रदेश में हुए नगर निकाय चुनाव में सक्रिय रहे आकाश आनंद ने वहां कई जिलों में जनसभाएं भी कीं। अब मध्य प्रदेश सहित राजस्थान और गुजरात विधान सभा चुनाव की जिम्मेदारी उन्हें दी गई है। उन्हें इन तीन प्रदेशों में संगठन को मजबूत करने का काम सौंपा गया है। इन दिनों वह राजस्थान में हैं और विभिन्न जिलों में संगठन पदाधिकारियों के साथ बैठकें कर रहे हैं। 2018 के विधान सभा चुनाव में राजस्थान में छह सीटें जीतने वाली बसपा 2023 में और अधिक सीटें जीतना चाहती है। जातीय समीकरणों के लिहाज से जोधपुर, जयपुर, भरतपुर, धौलपुर, सवाई माधौपुर, नागौर, गंगानगर, सीकर, झुंझनू आदि जिलों पर विशेष नजर है। 2023 में ही मध्य प्रदेश में चुनाव होने हैं। वहां 2013 में चार सीटें जीतने वाली बसपा 2018 में अपना खाता भी नहीं खोल सकी। वहीं, गुजरात में विधान सभा चुनाव इसी वर्ष के अंत में होने हैं। पार्टी पदाधिकारियों के मुताबिक, वहां आकाश आनंद दलित और आदिवासी बहुल क्षेत्रों में अपनी सक्रियता बढ़ाएंगे।

यूपी में जनाधार वापस पाने की कवायद

उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव में एक सीट पर सिमटी बसपा के घटते जनाधार को लेकर मायावती बेहद चिंतित हैं। लिहाजा उन्होंने एक बार फिर अपनी रणनीति में बदलाव कर दिया है। वे सोशल इंजीनियरिंग के नए फॉर्मूले पर काम करती दिख रही हैं। इस बार उन्होंने दलित-मुस्लिम गठजोड़ पर फोकस किया है। आजमगढ़ लोक सभा उपचुनाव में बसपा प्रत्याशी को मिले समर्थन से उनकी उम्मीदों के पर लग गए हैं। बसपा रणनीतिकारों का मानना है कि चुनाव में मुस्लिम-दलित गठजोड़ बसपा के लिए फायदे का सौदा हो सकता है। यही वजह है कि दलित और मुस्लिम मुद्दों को लेकर मायावती लगातार प्रदेश की भाजपा सरकार पर हमलावर हैं।

प्रदेश में चलाया गया सदस्यता अभियान

बसपा ने अपने जनाधार को मजबूत करने और लोगों को पार्टी से जोड़ने के लिए 31 अगस्त तक यूपी में सदस्यता अभियान चलाया। साथ ही पुराने कार्यकर्ताओं से भी संवाद किया।

बिना प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के होगा पीसीसी का अधिवेशन!

- यूपी में छह माह से खाली है कुर्सी, नहीं मिल रहा प्रदेशाध्यक्ष
- केंद्रीय नेतृत्व को भेजा जाता है अधिवेशन में पारित संबंधित प्रस्ताव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के दृष्टिगत प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) के अधिवेशन के आयोजन की सुगबुगाहट तेज हो गई है। परंपरागत तौर पर पीसीसी का अधिवेशन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष आहूत करते हैं। निगाहें इस पर भी होंगी कि इसी माह होने वाला पीसीसी अधिवेशन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की उपस्थिति में होता है या उनके बगैर। कांग्रेस में परंपरा रही है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होने से पहले प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अधिवेशन होता है।

अधिवेशन में राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव से संबंधित प्रस्ताव पारित कर केंद्रीय नेतृत्व को भेजा जाता है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए 25 सितंबर से नामांकन शुरू होना है। नामांकन शुरू होने से पहले पीसीसी का अधिवेशन आयोजित करने की तैयारी हो रही है। अधिवेशन में राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव से संबंधित प्रस्ताव पारित कर पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व को भेजा जाएगा। सूत्रों के अनुसार प्रस्ताव में दो बातें हो सकती हैं। अव्वल तो पीसीसी के अधिवेशन में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाये जाने के लिए प्रस्ताव पारित किया जा सकता है। दूसरी संभावना यह है कि पार्टी की कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी को अधिकृत किया जा सकता है कि वह खुद अध्यक्ष बनें या किसी और को चाहें बनाएं। अधिवेशन में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सभी सदस्य तथा पार्टी के समस्त जिलाध्यक्ष और शहर अध्यक्ष प्रस्ताव का अनुमोदन करेंगे। कांग्रेस में परंपरा रही है कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष ही पीसीसी का अधिवेशन बुलाये जाने का प्रस्ताव रखता है।

यूपी कांग्रेस को छह माह से अध्यक्ष का इंतजार

अठारहवीं विधान सभा के चुनाव में कांग्रेस की करारी हार के बाद अजय कुमार लल्लू ने प्रदेश अध्यक्ष पद से त्यागपत्र दे दिया था। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की कुर्सी लगभग छह महीने से खाली है। यदि जल्द ही नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त नहीं किया जाता है तो यह पहला मौका होगा जब पीसीसी का अधिवेशन बिना प्रदेश अध्यक्ष के आहूत होगा। ऐसी स्थिति में पीसीसी का अधिवेशन आहूत करने का प्रस्ताव प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष सतीश अजमानी करेंगे। हालांकि कांग्रेस का एक खेमा नए प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति के लिए प्रयासरत है। गौरतलब है कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी का पिछला अधिवेशन वर्ष 2017 में राहुल गांधी को अध्यक्ष बनाये जाने से पूर्व हुआ था तब प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राज बब्बर थे।

यूपी में कैसे खिसकती गई कांग्रेस की जमीन

1951 में हुए यूपी विधान सभा चुनाव में कांग्रेस ने बंपर जीत हासिल की थी। इस चुनाव में पार्टी को 388 सीटें मिलीं. इसके बाद दूसरे विधान सभा चुनाव में कांग्रेस ने 286 सीटों पर कब्जा किया। बाद में 1980 में पार्टी को 309 और 1985 में 269 सीटें मिलीं। साल 1991 में हुए विधान सभा चुनाव से कांग्रेस 50 का आंकड़ा नहीं पार कर पाई है। इसके बाद कांग्रेस की जमीन खिसकने लगी। ऐसे में 2022 विधान सभा के नतीजे पार्टी के लिए सबसे खराब साबित हुए। साल 2022 का यूपी विधान सभा चुनाव कांग्रेस ने पूरी तरह से प्रियंका गांधी वाड्रा के नेतृत्व में लड़ा लेकिन चुनावी नतीजों में पार्टी सिर्फ दो सीट ही जीत सकी। वहीं 2019 लोक सभा में भी एक सीट हाथ लगी। इसके बावजूद पांच माह से कांग्रेस राज्य में अपना अध्यक्ष नहीं बना सकी।

भारत जोड़ो यात्रा से यूपी कांग्रेसियों में जगी उम्मीद

यूपी में प्रियंका गांधी का सड़क पर संघर्ष भी संगठन को धार नहीं दे सका। वहीं अब राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो' यात्रा से कांग्रेसियों में फिर से संजीवनी मिलने की आस जगी है। मगर, इस यात्रा को राज्य में सफल बनाना भी किसी चुनौती से कम नहीं है। लिहाजा यूपी कांग्रेस के कार्यकर्ताओं में अलख जगाने के लिए विधानसभावार रैली निकालने का फैसला किया गया है। कांग्रेस प्रवक्ता अंशु अवस्थी ने बताया कि भारत जोड़ो यात्रा को लेकर यूपी तैयार है। यूपी में भारत जोड़ो यात्रा नवंबर से दिसंबर के मध्य पहुंचने की उम्मीद है। इससे पहले प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने भारत जोड़ो यात्रा के समर्थन में राज्य की सभी 403 विधान सभा में रैली निकालने का फैसला किया है। इस रैली में कांग्रेस कार्यकर्ता जनता से महंगाई, बेरोजगारी व अन्य जनविरोधी नीतियों को लेकर सरकार के खिलाफ लड़ाई में सहयोग मांगेंगे। भारत जोड़ो यात्रा कांग्रेस ने राहुल गांधी के नेतृत्व में शुरू की है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

अनियोजित विकास और लचर तंत्र

भले ही प्रदेश सरकार शहरों को बेहतर बनाने का दावा कर रही हो लेकिन हकीकत इसके उलट है। अनियोजित विकास ने शहरों की मुसीबत बढ़ा दी है। अधिकांश शहरों में सामान्य जनसुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं। जर्जर सड़कें, अतिक्रमण, जाम, गंदगी और जलभराव शहरों की पहचान बन चुके हैं। रही सही कसर अवैध निर्माण पूरी कर रहे हैं।

भले ही प्रदेश सरकार शहरों को बेहतर बनाने का दावा कर रही हो लेकिन हकीकत इसके उलट है। अनियोजित विकास ने शहरों की मुसीबत बढ़ा दी है। अधिकांश शहरों में सामान्य जनसुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं। जर्जर सड़कें, अतिक्रमण, जाम, गंदगी और जलभराव शहरों की पहचान बन चुके हैं। रही सही कसर अवैध निर्माण पूरी कर रहे हैं। सवाल यह है कि इस बदइंतजामी का जिम्मेदार कौन है? शहरों का विकास सुनियोजित तरीके से क्यों नहीं किया जा रहा है? जनसुविधाएं उपलब्ध कराने में प्रदेश सरकार असफल क्यों है? नगर निगम और नगरपालिकाएं क्या कर रही है? क्या भ्रष्टाचार ने पूरे तंत्र को नकारा बना दिया है? क्या ऐसे ही शहरों को स्मार्ट सिटी में तब्दील किया जाएगा? क्या संस्थाएं केवल टैक्स वसूलने का जरिया भर बन गयी हैं?

उत्तर प्रदेश में कई सरकारें आईं और गईं लेकिन शहरों की हालत सुधरने की बजाए बदतर होती चली गयी। लखनऊ की हालत भी कोई बहुत अच्छी नहीं है। कुछ पॉश इलाकों को छोड़ दें तो अधिकांश में पर्याप्त जनसुविधाओं का अभाव है। सड़कों पर अतिक्रमण का बोलबाला है। इसके कारण यहां हमेशा जाम की समस्या बनी रहती है। नालों की सफाई के नाम पर हर साल खानापूर्ति होती है। लिहाजा बारिश के दौरान ये उफनाने लगते हैं और लोगों को जलभराव का सामना करना पड़ता है। पुराने लखनऊ में जलनिकासी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने के कारण गलियों में नाली का पानी बहता रहता है और लोगों को आने-जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ता है। स्वच्छता अभियान के तमाम दावों के बावजूद गलियों से लेकर सड़कों तक गंदगी का साम्राज्य फैला रहता है। कूड़ा उठान की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने के कारण लोग खाली प्लॉटों में कचरा डंप करते हैं। इसके कारण संक्रामक रोगों का खतरा मंडराता रहता है। यह स्थिति तब है जब नगर निगम को शहर की व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए हर साल भारी-भरकम बजट दिया जाता है। यही नहीं साफ सफाई के लिए निगम के पास कर्मचारियों का भारी-भरकम अमला है। वहीं कर्मचारियों से मिलीभगत कर अवैध निर्माण हो रहे हैं। जब लखनऊ में यह हाल है तो अन्य शहरों का आसानी से अंदाजा लगाया जा सकता है। साफ है कि लचर तंत्र ने पूरी व्यवस्था को ध्वस्त कर दिया है। यदि सरकार वाकई शहरों को स्मार्ट बनाना चाहती है तो उसे न केवल विभागों से भ्रष्टाचार को खत्म करना होगा बल्कि योजनाबद्ध तरीके से शहरों का विकास करना होगा। इसके साथ जनसुविधाओं की निगरानी के लिए एक मजबूत तंत्र विकसित करना होगा।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

यूं ही राजभाषा नहीं है हिंदी

उमेश चतुर्वेदी

राजभाषा के तौर पर हिंदी की स्वीकार्यता पर संविधान सभा के सदस्यों की सोच को इसी से समझा जा सकता है कि इस पर महज ढाई दिन ही बहस हुई और इसे स्वीकार कर लिया गया। बहस 12 सितंबर, 1949 की शाम को शुरू हुई और 14 सितंबर को सभा ने हिंदी को राजभाषा के तौर पर अंगीकार कर लिया। संविधान के अनुच्छेद 343 से 351 तक में राजभाषा के अधिकार और उसके कामकाज की व्यवस्था की गयी। चूंकि 14 सितंबर को हिंदी को संविधान सभा ने अंगीकार किया इसीलिए हर साल इस दिन हिंदी दिवस मनाया जाता है। हिंदी की इस स्वीकार्यता की सबसे बड़ी वजह यह है कि स्वाधीनता आंदोलन की यह धुरी रही। आंदोलन के सभी प्रमुख नाम हिंदी को भावी स्वाधीन भारत की संपर्क भाषा और राजभाषा के तौर पर स्थापित करने पर एकमत थे।

हिंदी को राजकाज और भावी स्वाधीन भारत की संपर्क भाषा बनाने का सुझाव सबसे पहले बांग्ला भाषी केशव चंद्र सेन ने 1875 में दिया था। यह विचार जिस समय पूर्वी भारत में उठा, संयोग से उन्हीं दिनों देश के पश्चिमी छोर यानी गुजरात से भी ऐसा सुझाव आया। विख्यात गुजराती कवि नर्मदाशंकर लालशंकर दवे ने 1880 के दशक में यह सुझाव रखा था। 1905 में तिलक ने वाराणसी की यात्रा की थी और काशी नागरी प्रचारिणी सभा को संबोधित भी किया था। उन्होंने कहा था कि भावी भारत की राजभाषा निःसंदेह हिंदी ही हो सकती है। 1918 में कांग्रेस अध्यक्ष के तौर पर भी उन्होंने घोषणा की कि हिंदी ही भारत की भावी राजभाषा होगी। हिंदी को राजभाषा के तौर पर स्वीकार्य कराने में महात्मा गांधी की बड़ी भूमिका रही। 1917 में उन्होंने भरूच में आयोजित गुजरात शैक्षिक सम्मेलन में कहा था, 'भारतीय भाषाओं में केवल हिंदी ही एक ऐसी भाषा है, जिसे राष्ट्रभाषा के रूप में अपनाया जा सकता है।' उन्हें पता था कि इस राह में चुनौतियां आ सकती हैं इसीलिए उन्होंने अगले ही साल दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा की स्थापना की। इस काम के लिए उन्होंने अपने बेटे देवदास गांधी के साथ पांच लोगों को दक्षिण भारत भेजा। इसके प्रचार-प्रसार का जिम्मा उन्होंने व्यवसायी व स्वाधीनता सेनानी जमनालाल बजाज को दिया। गांधी ने भावी भारत की राजभाषा को लेकर अपनी सोच 1909 में लिखी पुस्तिका 'हिंद स्वराज' में जाहिर कर दी थी। गांधी ने स्वतंत्र भारत की राजभाषा के लिए पांच मानक तय किये थे- प्रयोग करने वालों के लिए वह भाषा सरल होनी चाहिए, उस भाषा

के द्वारा भारतवर्ष का आपसी धार्मिक, आर्थिक और राजनीतिक व्यवहार हो सकना चाहिए, यह जरूरी है कि भारतवर्ष के बहुत से लोग उस भाषा को बोलते हों, राष्ट्र के लिए वह भाषा आसान होनी चाहिए तथा उस भाषा का विचार करते समय किसी क्षणिक या अल्प स्थायी स्थिति पर जोर नहीं देना चाहिए। हिंदी गांधी के इन मानकों पर भी खरी उतरती है। हिंदी साहित्य सम्मेलन के अपने भाषण में उन्होंने इसे अदालती भाषा बनाने का भी सुझाव दिया था। स्वाधीनता आंदोलन में हिंदी की भूमिका को इसी तथ्य से समझा जा सकता है कि जब 1937 में प्रांतीय असेंबलियों के चुनाव हुए, तब मद्रास प्रांत में जीत के बाद प्रीमियर बने राजगोपालाचारी ने मद्रास में हिंदी को अनिवार्य कर दिया था। अगर देखें, तो हिंदी विरोध की नींव भी यहीं से पड़ती है. राजगोपालाचारी के इस निर्णय के खिलाफ तत्कालीन मद्रास प्रांत, जिसे अब तमिलनाडु कहा जाता है, उसमें सीए अन्नादुरै की अगुवाई में विरोध शुरू हो गया पर इसका संविधान सभा की बहसों में बहुत असर नहीं हुआ। खुद संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव आंबेडकर भी हिंदी के समर्थन में थे। उन्होंने कहा था कि अहिंदी भाषी होने के बावजूद वे चाहते हैं कि हिंदी जल्दी ऐसी हो जाए कि वह अंग्रेजी का स्थान ले सके।

जून, 1965 में सत्ताधारी कांग्रेस ने प्रस्ताव पारित किया कि जब तक एक भी राज्य हिंदी का राजभाषा के तौर पर विरोध करेगा, उसे लागू नहीं किया जायेगा। इसके पहले 1963 में राजभाषा अधिनियम पारित कर दिया गया। इसमें कहा गया है कि केंद्र द्वारा राज्यों से पत्राचार में अंग्रेजी के प्रयोग को तभी समाप्त किया जायेगा, जब सभी अहिंदी भाषी राज्यों के विधान मंडल तथा संसद के दोनों सदन इसकी समाप्ति के लिए संकल्प पारित कर दें। तब से हिंदी अपना स्थान ग्रहण करने की जद्दोजहद में जुटी हुई है। हालांकि 16 दिसंबर, 1967 को संसद के दोनों सदनों ने राजभाषा संकल्प पारित किया था, जिसमें राजकीय प्रयोजनों के लिए हिंदी के लगातार प्रयोग के लिए अधिक गहन और व्यापक कार्यक्रम तैयार करने, प्रगति की समीक्षा के लिए वार्षिक मूल्यांकन रिपोर्ट तैयार करने, त्रिभाषा सूत्र अपनाने, संघ सेवाओं के लिए भर्ती के समय हिंदी व अंग्रेजी में से किसी एक के ज्ञान की आवश्यकता अपेक्षित रखने की बात कही गयी है। हिंदी को बाजार ने भी गति दी है। ई-कॉमर्स से लेकर सॉफ्टवेयर तक की दुनिया में हिंदी का प्रयोग बढ़ा है।

कई संकटों ने बिगाड़ दी चीन की हालत

योगेंद्र योगी

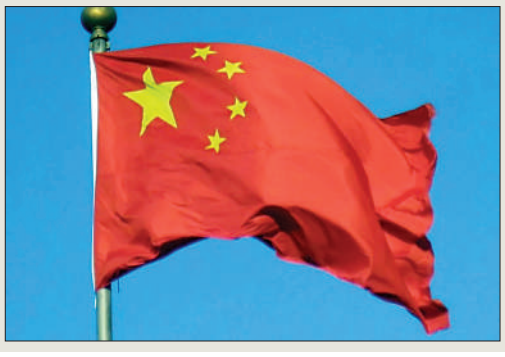

दुनिया को अपनी सैन्य ताकत के बूते हांकने की कोशिश करने वाले चीन की प्रकृति के प्रकोप ने सारी हेकड़ी निकाल दी। प्रकृति ने दर्शा दिया कि पर्यावरण के खिलाफ किए गए कार्यों का नतीजा सभी को भुगतना पड़ेगा चाहे वह कितना ही ताकतवर क्यों न हो। प्रकृति की ताकत के सामने सैन्य ताकत के कोई मायने नहीं हैं। चीन भीषण सूखे, बाढ़, भूकम्प और फिर से फैले कोरोना से जूझ रहा है। इससे चीन को अरबों डॉलर का नुकसान हो चुका है। यह वही चीन है जिसने विश्व की सर्वोच्च संस्था संयुक्त राष्ट्र संघ के मानवाधिकार, दक्षिणी चीन सागर और परोक्ष रूप से आतंकवाद के मामले में दिए गए फैसलों को दरकिनार कर दिया।

प्रकृति के सामने यही चीन अब बौना दिखाई दे रहा है। चीन की करोड़ों की आबादी को भारी दुश्वारियों को सामना करना पड़ रहा है। विश्व को कोरोना वायरस की चपेट में धकेलने वाले चीन में बड़े पैमाने पर यह वायरस फिर से सिर उठा रहा है। इसके चलते टेक हब कहे जाने वाले चीन के शेनझेन और चेंगदू में लॉकडाउन लगा है। शेनझेन में कोरोना वायरस के मामले बढ़ने से टेलीविजन, लैपटॉप और स्मार्टफोन की कीमतें बढ़ सकती हैं। इससे पहले चीन की सरकार ने वायरस को फैलने से रोकने के लिए शंघाई समेत कई शहरों को पूरी तरह बंद कर दिया था। शंघाई चीन का सबसे बड़ा औद्योगिक केंद्र है। चीन के ड्रीम प्रोजेक्ट बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। चीन 61 साल की सबसे भयंकर गर्मी और सूखे का सामना कर रहा है। चीन के कई शहर बिजली संकट से जूझ रहे हैं। सिचुआन प्रांत के चोंगक्विंग शहर में टेम्प्रेचर 45 डिग्री को पार कर गया। चीन के सिचुआन, जियांग्शी, अनहुई, हुबेई, हुनान और चोंगक्विंग में 25 लाख लोग सूखे की चपेट में हैं और 22 लाख हेक्टेयर जमीन पर लगी फसल पूरी तरह सूख गई है। इसे चीन में 144 साल का सबसे बड़ा जल संकट बताया जा रहा है। चीन के जियांगसी प्रांत में इस साल भयंकर सूखे से पोयांग झील का आकार सिकुड़ कर चौथाई रह गया है। वहीं, चोंगक्विंग क्षेत्र में इस साल 60 फीसदी कम बारिश हुई है।

दक्षिण-पश्चिम चीन के 34 प्रांतों की 66 नदियां बढ़ते तापमान से सूख गई हैं। चीन की सबसे लंबी नदी यांग्त्जी भी सूख चुकी है। चीन की लाइफलाइन कहलाने वाली यह नदी यहां की सबसे उपजाऊ जमीन को सींचती है। इसके अलावा यांग्त्जी नदी चीन के 40 करोड़ लोगों को पीने का पानी देती है लेकिन इस बार चीन में पड़ रही तेज गर्मी की वजह से यह नदी 50 प्रतिशत तक सूख चुकी है। सूखे और गर्मी से चीन में चावल और मक्का की फसल को भारी नुकसान पहुंचने का अनुमान है। ऐसे में ड्रैगन को अब ब्राजील और अमेरिका से मक्का आयात करना पड़ सकता है। चीन में बिजली संकट की मुख्य वजह हाइड्रोपॉवर प्रोजेक्ट का बंद होना है। चीन अपनी कुल खपत की 15 प्रतिशत बिजली पानी से बनाता है। कम बारिश की वजह से उसके हाइड्रोपॉवर क्षमता पर बुरा असर पड़ा है। इसकी वजह से कई कारखाने बंद पड़े हुए हैं।

एक तरफ चीन भीषण सूखे और गर्मी की मार से जूझ रहा है, वहीं दूसरी तरफ भारी बारिश से आई बाढ़ से हाहाकार मचा हुआ है। चीन के वुहान और हुबेई प्रांत बाढ़ के प्रकोप का सामना कर रहे हैं। इससे दोनों प्रांतों की करीब 8 लाख की आबादी को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। एशिया की सबसे लंबी नदी यांग्त्से में बाढ़ आ गई है। चीन की 33 नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। चीन अभी बाढ़, सूखे और कोराना से संभल भी नहीं पाया कि रही सही कसर 6.8 तीव्रता के भूकम्प ने निकाल दी। सिचुआन प्रांत में आए भूकंप से भारी तबाही हुई। इस जलजले ने 65 से अधिक लोगों की जान ले ली है और 16 लोग लापता हैं। भूकंप के झटके इतने जोरदार थे कि सेकेंड में सब कुछ बर्बाद हो गया। आर्थिक और सैन्य ताकत के जरिए वैश्विक पर्यावरण से खिलवाड़ करने के लिए चीन काफी हद तक जिम्मेदार है। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी (आईईए) के मुताबिक चीन जलवायु को नुकसान पहुंचाने वाले जीवाश्म ईंधन प्रदूषण का सबसे बड़ा उत्सर्जक है। चीन में साल 2019 से 2021 के बीच कार्बन डॉईऑक्साइड का उत्सर्जन 75 करोड़ मीट्रिक टन बढ़ा है। चीन ने पृथ्वी को भी नुकसान पहुंचाने में कसर बाकी नहीं रखी। चीन ने हुबेई प्रांत में यांग्जी नदी पर दुनिया का सबसे बड़ा बांध बनाया है। यह बांध 2.3 किलोमीटर लंबा, 115 मीटर चौड़ा और 185 मीटर ऊंचा है। दुनिया के इस सबसे बड़े बांध का नाम थ्री गोर्जेस डैम है। इसके निर्माण का काम साल 1994 में शुरू हुआ था और 2012 में यह बनकर तैयार हो गया था। इसमें 22,400 मेगावाट ऊर्जा उत्पन्न करने की क्षमता है। इस बांध में इतना पानी इकट्ठा किया गया है कि इससे पृथ्वी की घूमने की गति प्रभावित हो गई है।

पृथ्वी के घूमने की गति धीमी होने से एक दिन का समय 0.06 माइक्रोसेकंड्स बढ़ गया है यानी अब दिन थोड़ा लंबा हो गया है। इसके अलावा यह भी कहा जाता है कि इस बांध के बनने की वजह से उत्तरी और दक्षिणी ध्रुव भी अपनी-अपनी जगह से 2-2 सेंटीमीटर खिसक गए हैं जबकि अन्य पर पृथ्वी थोड़ी-सी चपटी भी हो गई है। यह निश्चित है कि चीन ने इन प्राकृतिक हादसों के बाद भी सबक नहीं सीखा तो प्रकृति के कहर से वह बच नहीं पाएगा। चीन को यह समझना होगा कि विस्तारवादी नीतियों के लिए पर्यावरण से खिलवाड़ की कीमत भारी तबाही के रूप में चुकानी होगी।

यूरिक एसिड को इन तरीकों से करें कंट्रोल

यूरिक एसिड हमारे शरीर में बनने वाला वेस्ट प्रोडक्ट होता है, जो यूरिन के जरिए शरीर से बाहर चला जाता है। जब किसी परेशानी की वजह से यूरिक एसिड का प्रोडक्शन बढ़ जाता है और यह शरीर से बाहर नहीं निकल पाता, तब शरीर के विभिन्न अंगों में जमा हो जाता है। इसकी वजह से हाथ और पैर के जॉइंट्स में तेज दर्द होता है। अगर यूरिक एसिड को लंबे समय तक नजरअंदाज किया जाए तो यह किडनी फेलियर और बार-बार किडनी स्टोन की वजह बन सकता है। आप कुछ छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखकर यूरिक एसिड को कंट्रोल कर सकते हैं।

बीयर और शराब छोड़ दें

हेल्थलाइन की एक रिपोर्ट के मुताबिक बीयर और शराब का सेवन करने से यूरिक एसिड लेवल बढ़ सकता है, जिससे गाउट की समस्या बढ़ सकती है। इस परेशानी से बचने के लिए बीयर और शराब को पूरी तरह छोड़ना ही बेहतर है।

पर्याप्त नींद लेना जरूरी

अब तक कई रिसर्च में यह बात सामने आ चुकी है कि अगर आप हर दिन 6-7 घंटे की नींद नहीं लेंगे तो यूरिक एसिड लेवल बढ़ सकता है। इसलिए हर दिन पर्याप्त नींद लें। इससे आप यूरिक एसिड लेवल को कंट्रोल कर सकते हैं।

नॉन वेज करें अवॉइड

यूरिक एसिड को कंट्रोल रखने का सबसे अच्छा तरीका नॉन वेज से दूरी बनाना होता है। सर गंगा राम हॉस्पिटल के विशेषज्ञ डॉ। अमरेंद्र पाठक कहते हैं कि नॉन वेज खाने से यूरिक एसिड बढ़ने का खतरा रहता है। इसके अलावा ज्यादा मात्रा में दालों का सेवन करना भी फायदेमंद नहीं माना जाता। यूरिक एसिड के मरीजों को खाने-पीने में सावधानी बरतनी चाहिए।

खूब पानी पिएं और शुगरी ड्रिंक्स से बचें

अगर आप ज्यादा से ज्यादा पानी पिएंगे तो इससे यूरिक एसिड के शरीर से बाहर निकलने की संभावना बढ़ जाएगी। इससे यह आपकी बॉडी में जमा नहीं हो पाएगा। इसके अलावा सोडा, कोल्ड ड्रिंक्स, स्पोर्ट्स ड्रिंक्स अन्य ड्रिंक्स का सेवन करने से बचना चाहिए। हेल्दी लिक्विड ले सकते हैं।

हर दिन करें एक्सरसाइज

एक्सरसाइज करने से यूरिक एसिड लेवल घटाने में मदद मिल सकती है। इससे इन्फ्लेमेशन कम होता है और बॉडी वेट मेंटेन रहता है। इसके अलावा इन्सुलिन रेजिस्टेंस इंप्रूव हो जाता है। हर दिन करीब 30 मिनट तक एक्सरसाइज करने से कई बीमारियों से राहत मिल सकती है।

हंसना मना है

लड़की- सुन जानू, गूगल मेल होता है कि फीमेल... लड़का- बेबी फीमेल होता है... लड़की- क्यों.. लड़का- क्योंकि अपना सन्टेंस पूरा होने से पहले ही वो उसका सजेशन देना शुरू कर देता है!

लड़का: मैं उस लड़की से शादी करुंगा, जो मेहनती हो, सादगी से रहती हो, घर को संवारकर रखती हो, आज्ञाकारी हो। प्रेमिका: मेरे घर आ जाना, ये सारे गुण मेरी नौकरानी में हैं।

वकील - हत्या की रात तुम्हारे पति के अंतिम शब्द? पत्नी - मेरा चश्मा कहां है संगीता...? वकील - तो इसमें मारने वाली क्या बात थी...? पत्नी - मेरा नाम रंजना है! पूरा कोर्ट खामोश...

प्रेमिका- मैं तुम्हारे लिए आग पर चल सकती हूं, नदी में कूद सकती हूं प्रेमी- मैं भी तुमसे बहुत प्यार करता हूं, क्या तुम मुझसे मिलने आ सकती हो प्रेमिका- पागल हो क्या, धूप देखी है कितनी तेज है, मैं काली पड़ गई तो

टीचर ने परीक्षा में चार पृष्ठों का निबन्ध लिखने को दिया, विषय था 'आलस्य क्या है?' एक ब्च्चे ने तीन पृष्ठों को खाली छोड़ दिया और चौथे पर बे अक्षरों में लिखा, यही आलस्य है...।

बाबा घंटू- नंबर वाला चश्मा... उतारने का घरेलू उपाय... पहले दायें हाथ में दायी डंडी पकड़े फिर बायें हाथ में बायी डंडी पकड़े धीरे से चश्मा आगे की तरफ खींचे चश्मा उतर जायेगा

पिताजी- बेटा, मेरे लिए 1 गिलास पानी लाना, पहला लड़का- नहीं लाऊंगा, दूसरा लड़का- रहने दो पापा, ये तो है ही बद्तमीज आप खुद ले लो और मेरे लिए भी 1 गिलास ले आना !

कहानी | सिंह और सियार

वर्षों पहले हिमालय की किसी कन्दरा में एक बलिष्ठ शेर रहा करता था। एक दिन वह एक भैंसे का शिकार और भक्षण कर अपनी गुफा को लौट रहा था। तभी रास्ते में उसे एक मरियल-सा सियार मिला जिसने उसे लेटकर दण्डवत् प्रणाम किया। जब शेर ने उससे ऐसा करने का कारण पूछा तो उसने कहा, फ्सरकार मैं आपका सेवक बनना चाहता हूँ। कुपया मुझे आप अपनी शरण में ले लें। मैं आपकी सेवा करुँगा और आपके द्वारा छोड़े गये शिकार से अपना गुजर-बसर कर लूंगा। शेर ने उसकी बात मान ली और उसे मित्रवत अपनी शरण में रखा। कुछ ही दिनों में शेर द्वारा छोड़े गये शिकार को खा-खा कर वह सियार बहुत मोटा हो गया। प्रतिदिन सिंह के पराक्रम को देख-देख उसने भी स्वयं को सिंह का प्रतिरुप मान लिया। एक दिन उसने सिंह से कहा, अरे सिंह ! मैं भी अब तुम्हारी तरह शक्तिशाली हो गया हूं। आज मैं एक हाथी का शिकार करुंगा और उसका भक्षण करुंगा और उसके बचे-खुचे माँस को तुम्हारे लिए छोड़ दूँगा। चूँकि सिंह उस सियार को मित्रवत् देखता था, इसलिए उसने उसकी बातों का बुरा न मान उसे ऐसा करने से रोका। भ्रम-जाल में फंसा वह दम्भी सियार सिंह के परामर्श को अस्वीकार करता हुआ पहाड़ की चोटी पर जा खड़ा हुआ। वहाँ से उसने चारों ओर नजरें दौड़ाई तो पहाड़ के नीचे हाथियों के एक छोटे से समूह को देखा। फिर सिंह-नाद की तरह तीन बार सियार की आवाजें लगा कर एक बड़े हाथी के ऊपर कूद पड़ा। किन्तु हाथी के सिर के ऊपर न गिर वह उसके पैरों पर जा गिरा। और हाथी अपनी मस्तानी चाल से अपना अगला पैर उसके सिर के ऊपर रख आगे बढ़ गया। क्षण भर में सियार का सिर चकनाचूर हो गया और उसके प्राण पखेरु उड़ गये। पहाड़ के ऊपर से सियार की सारी हरकतें देखता हुआ सिंह ने तब यह गाथा कही होते हैं जो मूर्ख और घमंडी, होती है उनकी ऐसी ही गति।

सीख : घमंड और मूर्खता का साथ बहुत गहरा होता है, इसलिए कभी भी जिंदगी में किसी भी समय घमण्ड नहीं करना चाहिए।

5 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष प्यार, उम्मीद, सहानुभूति, आशावादिता और निष्ठा जैसी सकारात्मक भावनाओं को अपनाने के लिए खुद को प्रोत्साहित करें। एक बार ये गुण आपके अंदर रच-बस जाएं, तो हर हालात में वे खुद ही सकारात्मक तरीके से उभर आएंगे।

वृषभ कारोबारियों को अचानक धन लाभ होगा। कोई खोई हुई वस्तु आपको वापस मिल सकती है, जिसे पाकर मन प्रसन्न हो जायेगा। परिवार वालों के साथ अधिक समय बिताएंगे, जिससे दाम्पत्य संबंध मधुर बनेंगे।

मिथुन आज ज्यादा तनाव से मानसिक और शारीरिक क्षति भी पहुंच सकती है। आप कुछ आराम करें और तनाव को कम करें। पूर्व में की गई मेहनत का फल मिल सकता है। कार्य स्थल पर प्रमोशन या प्रशंसा मिलने के आसार हैं।

कर्क आपका सबसे बड़ा सपना हकीकत में बदल सकता है. लेकिन अपने उत्साह को काबू में रखें, क्योंकि ज्यादा खुशी भी परेशानी का सबब बन सकती है। आर्थिक परेशानियों के चलते आपको आलोचना और वादविवाद का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। इस राशि की महिलाएं रसोई के लिए जरूरी सामान की खरीदारी में व्यस्त हो सकती हैं। टेंशन में आप कोई जरूरी सामान भूल सकती हैं, इसलिए लिस्ट पहले ही बना लें।

कन्या आज रिश्तो को मजबूत करने की कोशिश करें। यह आपके लिए अपने अंतर्मन में झांकने का बहुत अच्छा समय है और आपको इसका उपयोग अपनी कमियां दूर करने के लिए इसका उपयोग जरुर करना चाहिए।

तुला आलस्य और कम ऊर्जा-स्तर आपके शरीर के लिए शहर काम करेंगे। किसी सृजनात्मक काम में खुद को व्यस्त रखना बेहतर रहेगा। साथ ही बीमारी से जूझने के लिए खुद को उत्साहित करते रहें।

वृश्चिक आज का दिन नई सौगात लेकर आयेगा। किसी मित्र की मदद से आप राहत की सांस लेंगे। इस राशि के कारोबारियों को धन की प्राप्ति हो सकती है। इस राशि के खिलाड़ियों की रुचि अध्यात्म की ओर हो सकती है।

धनु आज सेहत से जुड़ी समस्याएं आपको परेशानी दे सकती हैं। खास तौर पर अगर आप दूसरों पर खर्च करना नहीं बंद करेंगे तो, जिन दोस्तों से अरसे से मुलाकात नहीं हुई है, उनसे मिलने के लिए सही समय है।

मकर आर्थिक मामलों में अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है। हालात को काबू में रखने के लिए अपने भाई की मदद लें। विवाद को ज्यादा तूल देने की बजाय उसे दोस्ताना तरीके से हल करने की कोशिश करें।

कुम्भ आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। लोगों के बीच आपकी प्रशंसा होगी। इस राशि के विज्ञान के क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन बेहतर रहेगा।

मीन आज के दिन रोमांस में बाधा आ सकती है, क्योंकि आपके प्रिय का मूड ज्यादा अच्छा नहीं है। इसलिए हर तरह का निवेश करते वक्त पूरी सावधानी बरतें। जीवनसाथी के साथ यह एक रोमानी दिन रहेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

आयुष्मान पॉकेट मनी के लिए गाते थे ट्रेन में गाने

मल्टी टैलेंटेड आयुष्मान को बचपन से ही एक्टिंग का शौक था। फिल्मी करियर में शानदार एक्टिंग के कारण उन्हें 1 नेशनल और 4 फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला है। 2020 के फोर्ब्स इंडिया के 100 सेलिब्रिटी लिस्ट में भी इनका नाम शामिल था। आयुष्मान महज 17 साल की उम्र में ही रियलिटी शो पॉपस्टार में बतौर कम उम्र के कंटेस्टेंट के तौर पर नजर आए थे। इसके बाद बहुत सारे रियलिटी शो को भी आयुष्मान ने होस्ट किया था। बताया जाता है कि बचपन में आयुष्मान पॉकेट मनी के लिए ट्रेन में गाना गाते थे। वो अपने परिवार से पैसा बहुत कम ही मांगते थे। आयुष्मान की पत्नी ताहिरा कश्यप ने भी एक पोस्ट साझा करते हुए उन्हें जन्मदिन की बधाई दी है। बता दें कि ताहिरा लेखक और निर्देशक हैं। वह कैंसर सर्वाइवर रही हैं। उन्होंने ब्रेस्ट कैंसर को मात दी है। आयुष्मान और ताहिरा की जोड़ी बॉलीवुड की आदर्श जोड़ियों में शुमार है। ताहिरा कश्यप ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से अपनी और आयुष्मान की एक प्यारी सी तस्वीर शेयर की है। दोनों सड़क पर टहलते नजर आ रहे हैं। तस्वीर में दोनों एक-दूसरे की ओर देख रहे हैं। पीछे से सूरज की रोशनी पड़ रही है। तस्वीर देखकर ऐसा लग रहा है कि यह मॉर्निंग वॉक की तस्वीर है। फोटो में आयुष्मान ब्लू जींस और डेनिम शर्ट पहने नजर आ रहे हैं। वहीं ताहिरा सफेद रंग के आउटफिट में नजर आ रही हैं। ताहिरा लिखती है कि प्रिय साथी। हमेशा आपके साथ हूं। माय पर्सनल सनशाइन! आप मुझे हमेशा प्रेरित करते हो। कमाल इंसान हो। ताहिरा की यह पोस्ट सोशल मीडिया पर खूब पसंद की जा रही है। कमेंट बॉक्स में यूजर्स और सेलेब्स दोनों की जोड़ी की खूब तारीफ कर रहे हैं और साथ ही आयुष्मान को जन्मदिन की बधाइयां दे रहे हैं।

उर्वशी रौतेला ने मांगी ऋषभ पंत से माफी

उर्वशी रौतेला इन दिनों भारतीय क्रिकेटर ऋषभ पंत से विवाद की वजह से सुर्खियों में हैं। इस बीच उनका एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वो ऋषभ पंत से हाथ जोड़कर माफी मांग रही हैं। दरअसल उर्वशी ने एक इंटरव्यू में कहा था कि आरपी ने एक होटल की लॉबी में 10 घंटों तक उनका इंतजार किया था। इस पर ऋषभ ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा था कि लोग पॉपुलैरिटी के लिए कितना झूठ बोलते हैं। हालांकि उन्होंने अपनी पोस्ट में किसी का नाम मेंशन नहीं किया था। अब उर्वशी से हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान पूछा गया कि क्या वो ऋषभ पंत को कोई मैसेज देना चाहती हैं? तो इसके जवाब में उन्होंने कहा कि सीधी बात नो बकवास...इसलिए मैं कोई बकवास नहीं कर रही हूं। इसके बाद उर्वशी से फिर पूछा गया कि क्या आप ऋषभ पंत से कुछ कहना चाहेंगी, क्योंकि आपने ही कहा था फॉरगिव और फारगेट, तो कोई बात आप उन तक पहुंचाना चाहेंगी? ये सुनने के बाद उर्वशी कहती हैं मैं कुछ नहीं कहना चाहती। उसके बाद वो हाथ जोड़कर ऋषभ पंत से माफी मांगते हुए कहने लगीं कि मुझे माफ कर दीजिए। उर्वशी और ऋषभ ने 2018 में एक-दूसरे को डेट किया था। हालांकि पंत ने उर्वशी को सोशल मीडिया पर ब्लॉक कर दिया, जिसके बाद सब खत्म हो गया था। उर्वशी के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो हाल ही में द लीजेंड में नजर आई थीं। उर्वशी के पास इस समय मिशेल मोरोन और टॉमस मेंडेस-स्टारर फिल्म है। इसके अलावा वो रणदीप हुड्डा के साथ इंस्पेक्टर अविनाश में दिखेंगी।

बॉलीवुड | मसाला

कोई चमत्कार हो जाए और दिशा अपने शो में लौट आएं

तारक मेहता का उल्टा चश्मा लगातार बीते 15 सालों से दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है। पिछले कुछ दिनों में इस शो को कई कंटेस्टेंट छोड़कर जा चुके हैं। ये बात दर्शकों को काफी निराश कर रही है। हाल ही तारक मेहता यानी शैलेश लोढ़ा न शो को अलविदा कह दिया है। वहीं अब उनकी जगह पर नए तारक मेहता की एंट्री शो की हो गई है, लेकिन अभी तक पिछले 5 सालों में शो में ना ही दयाबेन की वापसी हुई ना ही पोपटलाल की शादी हुई। बेचारे पोपटलाल पिछले 15 सालों से कुंवारे घूम रहे हैं। दर्शकों को भी इंतजार है कि कब दयाबेन आएंगी और कब पोपटलाल की शादी होगी। इसी बात को लेकर लगातार दर्शक शो के मेकर्स से सवाल पूछते नजर आते हैं। वहीं अब जाकर असित मोदी ने इन दोनों ही सवालों के सटीक जवाब दे दिया हैं, जिससे सुनने के बाद दर्शक राहत की सांस जरूर लेंगे। तारक मेहता' के दर्शकों को बीते 5 सालों से दयाबेन यानी दिशा वकानी की वापसी का बेसब्री से इंतजार है। दिशा ने इस रोल को आइकॉनिक बना दिया। इस किरदार में दिशा वकानी इतनी ज्यादा फिट बैठी हैं कि उनके अलावा कोई दूसरी एक्ट्रेस को दर्शक देखना पसंद ही नहीं कर पा रहे हैं। शायद यही वजह है कि आज भी मेकर्स दिशा वकानी की शो में वापसी का इंतजार कर रहे हैं। इन्हीं सबके बीच अब असित मोदी ने दिशा वकानी को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि मैं दिशा वकानी का काफी इज्जत करता हूं। मैंने कोविड के समय से उनका इंतजार किया और आज भी करता हूं। मैं आज भी चाहता हूं कि कोई चमत्कार हो जाए और दिशा अपने शो में लौट आएं, लेकिन उनकी शादी हो चुकी है। वहीं उनके दो बच्चे हैं। उनकी पारिवारिक जिंदगी है। मैं प्रार्थना कर सकता हूं, लेकिन अगर वो नहीं आई तो मैं वादा करता हूं कि जल्द से जल्द इस किरदार की शो में वापसी होगी। दयाबेन की वापसी के साथ ही असिम मोदी से पोपटलाल की शादी को लेकर भी सवाल पूछा गया कि वो कब घोड़ी चढ़ेंगे। इस पर असित मोदी ने कहा मुझे भी कई बार दया आती है कि अब पोपटलाल की शादी हो जानी चाहिए। ऐसे में मैंने जब भी पोपट की शादी को लेकर सर्वे किया उसमें 50-50 आता है।

अजब-गजब | मिलती थी सैलेरी, हैरान कर देगी इसकी कहानी

एक लंगूर जिसने 9 साल की रेलवे की नौकरी

इंसानों और पशु-पक्षियों का संबंध अनोखा है। इंसान सदियों से अपने कामों के लिए जानवरों का इस्तेमाल करते आए हैं। उन्हें ऐसे काम में लिया जाता रहा है, जिसमें शारीरिक ताकत और मेहनत की जरूरत होती है लेकिन क्या आपने किसी जानवर को सरकारी नौकरी करते देखा है। आज हम आपको ऐसे ही एक लंगूर की कहानी बता रहे हैं, जिसने कई सालों तक आधिकारिक तौर पर रेलवे में नौकरी की। इसके लिए बाकयादा उसे सैलेरी भी मिलती थी। उस लंगूर ने रेलवे में 9 साल तक एक सिग्नल-मैन के तौर पर काम किया था।

यह बात साल 1870 के आसपास की है। साउथ अफ्रीका के केप टाउन शहर के पास न्यजमर्दीहम नाम का रेलवे स्टेशन था, यहां जेम्स वाइड नाम का एक व्यक्ति सिग्नल-मैन के तौर पर काम करता था। जेम्स काफी वक्त से यहां काम कर रहा था, लेकिन एक ट्रेन हादसे में उसके दोनों पर चले गए। इस वजह से उसे काम करने में परेशानी आने लगी। उसने लकड़ी की नकली टांगे भी लगवाई, लेकिन फिर भी वह पहले की तरह ठीक से काम नहीं कर पा रहा था। जेम्स काफी परेशान रहता था। इस दौरान उसकी नजर नजदीक के एक कस्बे में गाड़ी हांक रहे एक लंगूर पर पड़ी। जेम्स ने उस लंगूर के मालिक से उसे खरीद लिया।

जेम्स ने उस लंगूर का नाम जैक रखा। जैक बहुत होशियार और समझदार था। वह घर के ज्यादातर कामों में जेम्स की मदद करने लगा। जेम्स उसे अपने साथ रेलवे स्टेशन भी ले जाने लगा। वहां उसने जैक को सिग्नल चेंज करना सिखा दिया। उसने बहुत जल्द जेम्स के इशारे पर सिग्नल चेंज करना सीख लिया। पहले इस काम को करने के लिए जैक को जेम्स के इशारे की जरूरत प?ती थी। लेकिन बाद में उसने सिर्फ गाड़ी की सीटी की आवाज से ही सिग्नल चेंज करना शुरू कर दिया।

लंगूर रेलवे का सिग्नल चेंज रहा है, यह खबर जंगल में आग की तरह फैल गई। रेलवे अधिकारियों तक भी यह खबर पहुंची। उसके बाद अधिकारियों ने जेम्स को तुरंत ही नौकरी से बर्खास्त कर दिया। जेम्स ने अधिकारियों काफी मिन्नते कीं और उनसे जैक की काबिलियत टेस्ट करने को कहा। रेलवे अधिकारी इस बात के लिए तैयार हो गए।

रेलवे अधिकारियों ने जैक का टेस्ट लिया और जैक ने उस टेस्ट को पास कर लिया। इस पर मैनेजर इतना खुश हुआ कि उसने जेम्स की नौकरी वापस कर दी। साथ ही जैक को भी आधिकारिक तौर पर रेलवे में बतौर सिग्नल-मैन काम दे दिया। ऐसा कहा जाता है कि उसे आधिकारिक तौर पर रेलवे में नियुक्त किया गया और उसे रोजगार नंबर भी दिया गया था। जैक हर रोज के हिसाब से 20 सेंट और बीयर की आधी बोतल हर हफ्ते वेतन के तौर पर दी जाने लगी। जैक पहला और आखिरी ऐसा लंगूर था, जिसने रेलवे में आधिकारिक तौर पर नौकरी की है। उसने 9 साल तक अपनी सेवाएं दी और इस दौरान उसने न कभी कोई गलती की और न ही कभी छुट्टी ली। 1890 में उसकी टीबी से मौत हो गई थी।

400 साल से समुद्र में भटक रहा है ये श्रापित जहाज, सच्चाई जानकर दंग रह जाएंगे आप

समंदर की गहराईयों में असंख्य रहस्य छिपे हुए हैं। जिनके बारे में आज तक कोई नहीं जान पाया। ऐसा कहा जाता है कि समुद्र के अंदर इतना खजाना कि अगर इसकी खोज कर ली जाए तो दुनिया मालामाल हो जाएगी।लेकिन ऐसा करना नामुमकिन है।आज हम आपको समुद्र से जुड़े एक ऐसे ही रहस्य से रूबरू कराने जा रहे हैं, जिसके बारे में शायद ही आपने पहले कभी सुना होगा। ये रहस्य एक जहाज से जुड़ा है जो पिछले 400 साल से समुद्र में भटक रहा है। इस जहाज को श्रापित जहाज माना जाता है।दरअसल, हम बात कर रहे हैं फ्लाइंग डचमैन नाम के एक शिप के बारे में।इस शिप को पूरी दुनिया में भूतिया जहाज के रूप में देखा जाता है। इस शिप को लेकर ऐसी मान्यता है कि ये भूतिया जहाज पिछले 400 सालों से श्रापित होकर समुद्रों में भटक रहा है। इस श्रापित जहाज को लेकर कई कहानियां भी जुड़ी हुई हैं, जिसके चलते ये हमेशा चर्चा में बना रहता है।इस जहाज को देखना काफी अपशकुन माना गया है। ऐसा माना जाता है कि अगर किसी व्यक्ति ने इसे समुद्र में देख लिया तो वो और उसका जहाज पूरी तरह बर्बाद हो जाता है। इसके साथ ही इस श्रापित जहाज को लेकर दुनियाभर में कई टेलीविजन शो और फिल्में भी बन चुकी हैं। साथ ही कई लोग फ्लाइंग डचमैन शिप को देखने का दावा भी कर चुके हैं। हालांकि उनके दावे में कितनी सच्चाई है ये कोई नहीं जान पाया।बता दें कि 20वीं सदी के मशहूर लेखक निकोलस मॉन्सर्रट ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान प्रशांत महासागर में इसे देखने का दावा किया था। फ्लाइंग डचमैन शिप को लेकर विभिन्न धारणाएं और मान्यताएं भी हैं। इस शिप लेकर एक आम धारणा है कि ये एक वैसल था।इस जहाज के कैप्टन हेनरीक वैन द डेक्कन थे। उन्हें डचमैन के नाम से भी जाना जाता था। कहा जाता है कि 1641 में जहाज के कैप्टन हेनरीक वेन हॉलैंड से अपने जहाज के साथ ईस्ट इंडीज की तरफ निकले थे। हालांकि यात्रा के बाद जब वो अपने यात्रियों के साथ हॉलैंड की तरफ वापस आने लगे, तो उन्होंने रास्ते में कुछ बदलाव किया। उन्होंने अपने वेसल को कैप ऑफ गुड हॉप की ओर मोड़ने का निर्देश दिया।कैप्टन के इस निर्णय से जहाज में बैठे यात्री काफी नाखुश हुए क्योंकि उन्हें जल्दी अपने घर पहुंचना था। आगे रास्ते में जहाज का सामना एक भयंकर तूफान से हो गया। तूफान में तबाह हो गया था ये जहाज इस तूफान में जहाज पूरी तरह तबाह हो गया।इस त्रासदी में जहाज पर सवार सभी यात्री मारे गए।कहा जाता है कि मरते मरते जहाज के सभी यात्रियों ने बद्दुआ देकर इस जहाज को श्रापित कर दिया। तभी से ये भूतिया जहाज समुद्र में भटक रहा है। हालांकि फ्लाइंग डचमैन शिप के रहस्य से अब तक पर्दा नहीं उठ पाया है। इस शिप को देखने का दावा करने बाद भी इसका रहस्य आज भी बरकरार है क्योंकि इसके बारे में आज तक कोई ठोस सबूत किसी को नहीं मिला।

बेगूसराय गोलीकांड पर बोले नीतीश कुमार जानबूझकर किया गया है ऐसा काम

» पुलिस कर रही हर बिंदु की जांच, लापरवाह कर्मियों के खिलाफ की गई कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बेगूसराय गोलीकांड मामले में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को अपनी चुप्पी तोड़ी। उन्होंने कहा कि यह जानबूझकर किया गया है। किसी न किसी ने जानबूझकर यह काम किया है।

उन्होंने कहा कि जहां पर घटना हुई है वहां एक तरफ पिछड़ी जाति के लोग हैं तो दूसरी ओर अल्पसंख्यक समाज के लोगों की आबादी है। इस घटना की हर बिंदु से पुलिस जांच कर रही है। एक-एक चीज को देखा जाएगा। पुलिस अधिकारियों को हर तरह से जांच करने का आदेश दिया गया है। सरकार बदली है इसलिए कहीं ऐसी घटना को अंजाम तो नहीं दिया गया, इस सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि बेगूसराय की घटना के बाद कई लोगों ने फोन से मुझे इसकी जानकारी दी है। निश्चित तौर पर कुछ न कुछ इसमें है, जिसे पता करना है। सरकार बदली है और इन तमाम चीजों को देखा जाएगा। फायरिंग में एक की मौत हुई है और पुलिस इस मामले को पूरी सतर्कता से देख रही है। इस प्रश्न पर घटना के वक्त पुलिस ने ठीक से काम नहीं किया पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस ने क्यों नहीं ठीक से काम किया? नीतीश कुमार ने कहा कि वहां के एसपी ने लापरवाही में जिम्मेदार पुलिस के लोगों को सस्पेंड किया है।

जातीय रंग दे रहे सीएमः सुशील

पटना। बेगूसराय गोलीकांड पर भाजपा से राज्य सभा सदस्य सुशील मोदी ने ट्वीट कर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को घेरा। उन्होंने एक वीडियो जारी कर मुख्यमंत्री पर मामले को जातीय रंग देने की कोशिश करने का आरोप लगाया। सुशील मोदी ने कहा कि मुख्यमंत्री जी आपको गंभीरता दिखानी चाहिए लेकिन आप हंस रहे थे। सुशील मोदी ने कहा कि एनएच के किनारे कहीं घनी बस्ती है ही नहीं। मिक्स पापुलेशन है इसलिए यह कहना कि अपराधी जाति देखकर गोलीमार रहे थे, सही नहीं है। अपराधी किसी को जाति देखकर नहीं मार रहे थे लेकिन आपने (सीएम) इसे जातीयता से जोड़ दिया। आपको मृतक के परिवार के प्रति संवेदना जतानी चाहिए थी। यह अत्यंत आपत्तिजनक है।

सपा के वरिष्ठ नेता आजम खान की तबीयत में सुधार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सपा के वरिष्ठ नेता आजम खां की तबियत में सुधार है। फिलहाल चिकित्सकों ने उनको आईसीयू से निकालकर प्राइवेट वार्ड में शिफ्ट कर दिया है। गंगाराम अस्पताल के डॉक्टरों का कहना है कि जल्द ही आजम खान को डिस्चार्ज कर दिया जाएगा अभी हेल्थ पैरामीटर की निगरानी की जा रही है।

आजम खान रविवार रात को दिल्ली पहुंचे थे। यहां वह बेटे अब्दुल्लाह आजम के साथ ठहरे हुए थे। मंगलवार को अचानक उनकी तबीयत खराब हो गई। बेटे अब्दुल्ला आजम उन्हें लेकर गंगाराम अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने आजम खान की जांच के दौरान उनके हृदय की धमनी में ब्लॉकेज पाया गया। हालांकि अब उनकी तबियत में सुधार है।

सीएम केजरीवाल ने भाजपा पर लगाया आरोप, कहा

पंजाब में आप के विधायकों को खरीदने की हुई कोशिश

» विधायकों को 25-25 करोड़ की पेशकश का आरोप

» भाजपा बोली, चर्चा में बने रहने के लिए लगाते हैं अनर्गल आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने एक बार फिर अपने विधायकों को खरीदने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के पंजाब के विधायकों को खरीदने की कोशिश की गई और हर विधायक को खरीदने के लिए उन्हें 25-25 करोड़ देने की पेशकश की गई। आप का आरोप है कि पंजाब के 55 विधायकों को खरीदकर पंजाब की सरकार गिराने की साजिश रची गई थी लेकिन भाजपा की यह कोशिश सफल नहीं हो पाई। इसके पहले केजरीवाल ने दिल्ली में भी अपने विधायकों को खरीदने की कोशिश किए जाने का आरोप लगाया था।

केजरीवाल ने यह आरोप ऐसे समय में लगाया है, जब गोवा में कांग्रेस के आठ विधायकों ने अपनी पार्टी का साथ छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया। वहीं दिल्ली प्रदेश भाजपा की प्रवक्ता नेहा शालिनी दुआ ने कहा कि केजरीवाल केवल चर्चा में रहने के लिए बिना आधार के आरोप लगाते रहते हैं। पूरे देश में ऐसा कोई दूसरा मुख्यमंत्री नहीं है, जिसने अपने पास कोई विभाग नहीं रखा हो। साफ है कि वे दिल्ली के लोगों के विकास के लिए स्वयं कोई काम नहीं करना चाहते बल्कि जनता के पैसे पर दूसरे राज्यों में अपनी पार्टी का प्रचार करते हैं।

ब्रज की सेवा के लिए पत्रकार विनीत नारायण ने ठुकरा दिया था राज्य सभा भेजे जाने का प्रस्ताव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मथुरा। हवाला कांड का पर्दाफाश करने से चर्चा में आए वरिष्ठ पत्रकार विनीत नारायण ने पूर्व मुख्यमंत्री और सपा प्रमुख अखिलेश यादव द्वारा राज्य सभा भेजे जाने के प्रस्ताव को स्वीकार करने से विनम्रतापूर्वक इंकार कर दिया था। उन्होंने साफ कह दिया कि राजनीति में उनकी कोई दिलचस्पी नहीं है और उन्हें केवल ब्रज की, यहां के लोगों की सेवा करनी है। यह खुलासा खुद सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पिछले दिनों किया।

पूर्व मुख्यमंत्री और सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने दिया था प्रस्ताव हवाला कांड का पर्दाफाश किया था विनीत नारायण ने, बोले सियासत में दिलचस्पी नहीं

28 अगस्त को सपा प्रमुख अखिलेश यादव वृंदावन में ठाकुर बांकेबिहारी व अन्य मंदिरों में दर्शन को पहुंचे थे। इस दौरान वे वरिष्ठ पत्रकार विनीत नारायण के घर भी पहुंचे। यहां उन्होंने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि विनीत नारायण ने ब्रज में बहुत काम किया है। विनीत नारायण किसी भी चीज का त्याग कर सकते हैं। सपा प्रमुख ने खुलासा करते हुए कहा कि मैंने इनसे कहा था कि किसी सदन में चलिए, बड़े सदन में चलिए लेकिन विनीत नारायण केवल ब्रज की संस्कृति के संरक्षण में लगे हुए हैं। अखिलेश यादव ने कहा था कि यहां के कुंड और तालाबों के संरक्षण और उनकी सुंदरता वापस लाने का काम विनीत नारायण ने किया है। गौरतलब है कि विनीत नारायण ने वर्ष 1996 में हवाला कांड का पर्दाफाश किया था। इस पर लिखी किताब 'भ्रष्टाचार, आतंकवाद और हवाला कारोबार' में इस बात का उल्लेख है कि वर्ष 1996 में प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव ने उन्हें राज्य सभा भेजे जाने का ऑफर दिया था। गृहमंत्री बनाने की भी बात कही थी। विनीत नारायण ने कहा कि मुझे अखिलेश राज्य सभा का टिकट दे रहे थे, लेकिन मैंने विनम्रतापूर्वक मना कर दिया। मेरी राजनीति में कोई रुचि नहीं है, बल्कि मैं ब्रज की सेवा करना चाहता हूं।

तो गोवा से भाजपा ने दिया कांग्रेस को जवाब!

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एक ओर कांग्रेस भारत जोड़ो यात्रा निकाल रही है तो दूसरी ओर उसे गोवा में बड़ा झटका लगा है। यहां आठ विधायकों ने पार्टी छोड़ दी और सत्तारूढ़ बीजेपी में अपने गुट का विलय कर लिया। अब यहां कांग्रेस के केवल तीन विधायक बचे हैं। क्या भारत जोड़ो यात्रा को बीजेपी ने कांग्रेस तोड़ो यात्रा से दिया है? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार राकेश पाठक, शीतल पी सिंह, दिनेश के वोहरा, संदेश प्रभुदेसाय और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

संदेश प्रभुदेसाय ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा से इसका कनेक्शन नहीं है क्योंकि ये सिलसिला अगले दो-तीन महीने से चल रहा था। गोवा में 40 सीट है, जिसमें 20 बीजेपी और 20 अन्य के पास है। अब कांग्रेस के 11 चले गए समझो। गोवा में तो भाजपा पहले से स्ट्रांग है। ये राहुल को जवाब है भारत जोड़ो नहीं, कांग्रेस तोड़ो। डॉ. राकेश पाठक ने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व पर दया आने लगी है कि वो कर क्या सकता है। जो दिगंबर कामत शपथ से मुकर जाए। भगवान के सामने कसम खाकर मुकर जाए तो इसमें राहुल गांधी या कांग्रेस कर क्या सकती है।

दिनेश के वोहरा ने कहा कि अजब गोवा की गजब कहानी है। गोवा में कोई पॉलिटिकल पार्टी नहीं है। वहां सिर्फ और सिर्फ लैंड माफिया पार्टी है और जो लैंड माफिया पार्टी के सरदार है वहीं डिसाइड करते कि यहां सरकार किसकी बनेगी। भाजपा आजाद भारत की नई ईस्ट इंडिया कंपनी है। इसका काम सिर्फ खरीदना और बेचना है। इसका देश से कोई ताल्लुक नहीं है। नैतिकता के साथ रिश्ता नहीं है। खरीदो और बेचो, सरकार बनाओ ही इसकी नैतिकता रह गयी है। शीतल पी सिंह ने कहा कि पहले राजनीति दूसरी थी और अब दूसरी है और जब सत्ता पाने की लड़ाइयां लोग शुरू करते हैं तो वहां विचार व आंदोलन के जरिए नहीं, समझौते होते हैं। ये तो सत्ता का चरित्र है। ये जो हो रहा है। इससे साफ है कि अब हर चीज बाजार में है।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

कमर तोड़ महंगाई पर चुप क्यों मोदी सरकार : जयराम

» महंगाई पर घिरी केंद्र सरकार, कांग्रेस ने कहा,
» सरकार की चुप्पी खत्म करने के लिए शुरू की गई है भारत जोड़ो यात्रा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में बढ़ती महंगाई को लेकर कांग्रेस ने केंद्र पर हमला बोला। कांग्रेस ने कहा 17 महीनों से थोकमूल्य आधारित महंगाई दो अंकों की हो गई है। इसी महंगाई को लेकर सरकार ने चुप्पी साध रखी है। इसे ही तोड़ने के लिए कांग्रेस ने भारत जोड़ो यात्रा की शुरुआत की है।

कांग्रेस के जनरल सेक्रेटरी जयराम रमेश ने ट्वीट किया। इसमें कहा मोदी सरकार कमर तोड़ महंगाई पर चुप क्यों है? इनकी इसी चुप्पी को तुड़वाने के लिए भारत जोड़ो यात्रा शुरू की गई है। इस ट्वीट के

साथ उन्होंने एक मीडिया रिपोर्ट साझा किया है। इसके अनुसार थोक महंगाई लगातार 17वें महीने दहाई अंक पर बरकरार है। खाने पीने की चीजें महंगी हो गई हैं। पदयात्रा के बारे में बताया गया है कि कांग्रेस ने 5 महीने में कन्याकुमारी से जम्मू और कश्मीर तक 3700 किमी से ज्यादा की दूरी चलकर पूरी करने का फैसला किया है।

भारत जोड़ो यात्रा का मकसद 2024 का चुनाव नहीं

भारत जोड़ो यात्रा से पहले पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने बताया था कि इस यात्रा का फोकस महंगाई और आर्थिक असमानता पर रहेगा। जयराम रमेश ने कहा कि यह यात्रा 2024 के चुनाव के लिए नहीं बल्कि महंगाई का सामना कर रहे लोगों के लिए है। 5 अगस्त को कांग्रेस ने इस मुद्दे पर प्रदर्शन किया था, जिसमें हमारे 70 सांसदों को हिरासत में लिया गया था। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा अब तक 150 किमी का सफर पूरा कर चुकी है। अब यात्रा को एक सप्ताह पूरा होने के बाद पदयात्रियों ने गुरुवार को आराम करने का फैसला किया है। इस बात की जानकारी पार्टी के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने दी है।

ममता बनर्जी के मंत्री के बिगड़े बोल, कहा-

तृणमूल के एक समर्थक को भी मारा तो बीजेपी के दो पिटेंगे

» भाजपा बोली, टीएमसी के नेताओं से इसी तरह के बयानों की उम्मीद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के मंत्रिमंडल के उत्तर बंगाल विकास मंत्री उदयन गुहा ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने चूड़ियां नहीं पहन रखी हैं और अगर उनमें से एक पर हमला हुआ तो भाजपा के दो कार्यकर्ताओं को पीटा जाएगा। कोलकाता और हावड़ा में मंगलवार को भाजपा की रैलियों के हिंसक होने के कुछ ही देर बाद कूचबिहार जिले के दिनहाटा के विधायक उदयन गुहा ने पार्टी की एक बैठक में यह टिप्पणी की।

उत्तर बंगाल विकास मंत्री गुहा ने कहा कि हमने चूड़ियां नहीं पहन रखी हैं। अगर मेरे लोगों पर हमला किया जाता है, तो हम हाथ पर हाथ रखकर नहीं बैठेंगे। उन्हें याद रखना चाहिए कि यदि उन्होंने हम में से एक को भी पीटा, तो हम उनके दो लोगों को पीटेंगे। इस पर भाजपा ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस के नेताओं से इसी तरह के बयानों की उम्मीद है। वहीं एक मंत्री द्वारा इस तरह की टिप्पणी को लेकर राजनीति गर्म हो गई है। सवाल किए जा रहे हैं कि एक मंत्री क्या इस तरह की बातें कह सकते हैं। भाजपा का कहना है कि इससे साफ हो जाता है कि बंगाल में क्या चल रहा है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता शमिक भट्टाचार्य ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस के कुकृत्यों का जितना अधिक पर्दाफाश हो रहा है, उतना ही उनके नेता हताश हो रहे हैं और हताशा में इस तरह की टिप्पणी कर रहे हैं। बताते चलें कि पिछले रविवार को कूचबिहार के शीतलकूची में भाजपा के जुलूस पर हमला यहां तक कि बम भी फेंके गए थे।

भगवान से पूछकर ज्वाइन की बीजेपी : दिगंबर कामत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। गोवा में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। कांग्रेस के 11 में से 8 विधायक पाला बदलकर भाजपा में शामिल हो गए हैं। भाजपा में शामिल होने वाले विधायकों में राज्य के पूर्व सीएम दिगंबर कामत भी शामिल हैं। राज्य में अब कांग्रेस के तीन विधायक रह गए हैं। वहीं भाजपा में शामिल होने के बाद दिगंबर कामत ने अजीब बयान दिया है।

कामत ने कहा कि इसके लिए भगवान से अनुमति ली थी। कामत ने कहा कि ये सब ईश्वर की मर्जी से हुआ है। कामत ने कहा कांग्रेस से इस्तीफा देने से पहले मैं मंदिर गया था। मैंने भगवान से पूछा कि क्या करना है? भगवान ने मुझसे कहा कि जो तुम्हें अच्छा लगे वो करो। भगवान से अनुमति मिलने के बाद मैंने कांग्रेस छोड़ दी। गौरतलब है कि गोवा में हुए विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस विधायकों को पार्टी के प्रति वफादार रहने की कसम खिलाई गई थी। विधायकों ने चर्च में कसम खाई थी कि चुनाव हारने के बाद भी वे कांग्रेस नहीं छोड़ेंगे। दिगंबर कामत से इसी कसम को लेकर सवाल पूछा गया था।

दारुल उलूम नदवा में सर्वे, लिए कई दस्तावेज

» प्रशासनिक टीम ने की जांच पड़ताल, निरीक्षण भी किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। देश के बड़े मदरसों में शुमार नदवा कालेज में प्रशासनिक टीम गुरुवार को सर्वे करने पहुंची। प्रशासनिक टीम ने अलग-अलग विभागों में करीब दो घंटे तक पड़ताल की। इस दौरान नदवा कालेज प्रबंधन के अलावा बड़ी संख्या में मीडिया कर्मियों का भी जमावड़ा लगा रहा। मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड द्वारा संचालित नदवा कालेज में बड़ी संख्या में विदेशी छात्र भी पढ़ते हैं। जिनमें अधिकतर इंडोनेशिया, फिलीपींस और खाड़ी देशों के हैं।

सर्वे टीम की अगुवाई कर रहे सदर तहसील के उप जिलाधिकारी नवीन कुमार ने बताया कि टीम ने आज नदवा कालेज का सर्वे किया। बच्चों की पढ़ाई से लेकर उनके रहने, खानपान और दूसरी सुविधाओं का भी सर्वे टीम ने जायजा लिया। इस दौरान मदरसे को मिलने वाली आर्थिक मदद के बारे में भी प्रशासनिक टीम ने पड़ताल की। मदरसे को कहां-कहां से फंडिंग होती है और किस तरह इस्तेमाल किया जाता है टीम ने इसकी भी जानकारी की। टीम ने नदवा से कई दस्तावेज भी मांगे। दरअसल, नदवा शैक्षिक गतिविधियों के अलावा भी कई दूसरी वजहों से सुर्खियों में रहता है।

दिल्ली हाईवे पर भीषण हादसे में 4 की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सीतापुर में नेशनल हाइवे पर हुए दर्दनाक हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई। यहां ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार एक ही परिवार के लोगों को पीछे से आ रहे ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में 30 लोग घायल हैं, जिसमें 4 की हालत बेहद नाजुक है। उन्हें लखनऊ रेफर कर दिया गया है जबकि अन्य घायलों का उपचार जारी है।

घटना सिधौली कोतवाली क्षेत्र की है। यहां दिल्ली नेशनल हाइवे 24 पर देर रात बारिश के चलते हादसा हो गया। मिली जानकारी के मुताबिक, रात तकरीबन 1 बजकर 15 मिनट पर शाहजहांपुर के रौजा से चलकर बाराबंकी के देवा शरीफ में मुंडन कराने जा रहे एक ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। बरसात होने के चलते यात्रियों से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली सड़क किनारे खड़ी थी कि तभी पीछे से आ रहे ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में 4 लोगों की मौके पर मौत हो गई जबकि 4 गंभीर घायलों को लखनऊ भेजा गया है। साथ ही सभी को सीएचसी सिधौली और जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी एन. पी.सिंह का कहना है कि मरने वालों में बरेली के ग्राम पड़ौरा निवासी 40 वर्षीय इजरायल और 18 वर्षीय सम्भल शामिल है।

योगी सरकार ने केंद्र में तैनात तीन आईएएस अफसरों को समय से पहले वापस मांगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश काडर के कई वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों के रिटायर होने और अगले वर्ष के अंत तक कई और अधिकारियों के सेवानिवृत्ति होने के दृष्टिगत राज्य सरकार ने केंद्र से तीन वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को उनकी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति की अवधि पूरी होने से पहले उप्र वापस भेजने का अनुरोध किया है। इनमें 1994 बैच की आईएएस अधिकारी लीना जौहरी तथा 1995 बैच के भुवनेश कुमार व आशीष कुमार गोयल शामिल हैं।

वहीं राज्य सरकार ने प्रमुख सचिव पर्यटन व संस्कृति मुकेश कुमार मेश्राम को केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के लिए

» प्रमुख सचिव पर्यटन व संस्कृति मुकेश कुमार मेश्राम को केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के लिए कार्यमुक्त करने में जतायी असमर्थता

कार्यमुक्त करने में असमर्थता जतायी है। लीना जौहरी केंद्र सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय में अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार के पद पर तैनात हैं। आशीष गोयल भी ग्रामीण विकास मंत्रालय में अपर सचिव हैं। भुवनेश कुमार इलेक्ट्रानिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में अपर सचिव के पद पर तैनात हैं। इस साल जनवरी में अपर मुख्य सचिव सिंचाई टी.वेंकटेश, फरवरी में 1985 बैच के वरिष्ठ आईएएस मो. इफ्तिखारुद्दीन, अप्रैल में तत्कालीन कृषि उत्पादन आयुक्त आलोक सिन्हा, राजस्व परिषद के अध्यक्ष मुकुल सिंघल व अपर मुख्य सचिव उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण एमवीएस रामीरेड्डी और अगस्त में अपर मुख्य सचिव गृह रहे अवनीश कुमार अवस्थी रिटायर हो चुके हैं। सितंबर अंत में अपर मुख्य सचिव युवा कल्याण एवं पीआरडी डिंपल वर्मा तो नवंबर में अपर मुख्य सचिव नागरिक सुरक्षा एवं राजनीतिक पेंशन राजन शुक्ल भारतीय प्रशासनिक सेवा से रिटायर होंगे। अगले वर्ष अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त अरविंद कुमार व अपर मुख्य सचिव खेलकूद नवनीत सहगल रिटायर होंगे।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।